

1. This is one of the *Damas* awards in the former days of Srirangana. It was granted by Masia Belivana Rajah to the person of 183 for settled land. This is a hereditary grant. There is no rent or fee for possession of its holders since the date of the grant. The tax was Pottas - It was lost. The Village is supported by all the Decrees of 182. It is taken over about the time or about the boundaries on the part of the Range Vakeel. The boundaries now inserted in the present statement correspond to those in the Account of 1766. Hence the area of 56 Acres & 16 Guntas is confirmed here. The Village consists of 29 equal Villages. They are enjoyed as shown in the margin. The lands are divided permanently. Porup is paid on the remaining Villages equally & permanently. The person of 183 of old purchased these lands partly, Permetris & partly in the days of their ancestors in A.D. 1824-1835-1836-1837-1838. From Nagaraswamy, Thirukameswamy, Sambu Periya, Abrahama, Sedy, Peraraswamy - descendants of the Ogl Grants. Three bills are on Antipar for your leave. One bill is on a stamped paper. Your bills are on plain paper for your leave. Transactions proved to be bona fide by witnesses. Enjoyment proved - The lands entered opposite to the

Tharua Goldi	Her	Marlia	Acet. 4	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1496	1497	1498	1499	1500	1501	1502	1503	1504	1505	1506	1507	1508	1509	1510	1511	1512	1513	1514	1515	1516	1517	1518	1519	1520	1521	1522	1523	1524	1525	1526	1527	1528	1529	1530	1531	1532	1533	1534	1535	1536	1537	1538	1539	1540	1541	1542	1543	1544	1545	1546	1547	1548	1549	1550	1551	1552	1553	1554	1555	1556	1557	1558	1559	1560	1561	1562	1563	1564	1565	1566	1567	1568	1569	1570	1571	1572	1573	1574	1575	1576	1577	1578	1579	1580	1581	1582	1583	1584	1585	1586	1587	1588	1589	1590	1591	1592	1593	1594	1595	1596	1597	1598	1599	1600	1601	1602	1603	1604	1605	1606	1607	1608	1609	1610	1611	1612	1613	1614	1615
--------------	-----	--------	---------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------

Register No. 390

Recent claims

No 1-2-3-5-8 and 9. Also
are enjoying the game. } 1-75-187
- Pandegai -

1 Nagé
suara 3 Nagasukura
yaka manningu
Dr. Reger 22

of 1922
1815. Pica la
Brando 4 Penkaticum
Mangrove canyons
Pagers 37
Kamon-on

1245 In the name of
 Harina (Gavay 60)
 1246

Fraxina *Panda mangle*
manga 6 *Vianna* *Pinus*
lani *alio* *Wai*
ami *Pinus*

none *Heurath*
 7. *Pachyrrhizus*
 60

1 Prize

(2)
1874

(3)
1975

(4)
1875

(57)
2 - Roro

(6)
/ *tr. d. the*

7 mizi
3 sono

Temple No 10 of 16 were purchased by one Lemuel
Stutter Lewis about 20 years ago from the descend-
ants of the 1st Grantee & gave them in gift for the support
of the temple in 1838. Died of an unknown old
plain fadged long. Transaction proved to be bona fide
enjoyment proved - (This must rest)

Is confirmed by Plott
 Jennings Doc-41-39

Golda 2/8 / 3 Rufus

H. Lushington Rec.

Käse-Kudde
26-36.

Friends
 Family
 Friends
 Land are
 also sent
 from the
 is received

Confession
recommen
in one

These preceding were
 Wm. L.

Tayamungalai
10 Bruttinai
9mmu
Trustes
12 Appavuthi
45



II The persons of 1837 are descended by the 1st of June. They are the Village of purchased the
-lands entered opposite to their names -
Volunteer

[illegible]